papergrid
Date: / /

अनुवाद (अपतरण)

परिभाषा
एक भाषा से दूसरी भाषा किसी भाव को ज्यों का त्यों अभिव्यक्त करने की प्रक्रिया अपतरण अनुवाद कहलाती है।

मुख्य बिंदु:-

1) कुछ शब्दों का अनुवाद नहीं होता जैसे Bank को बैंक ही कहा जाएगा। इसके अनुसार कुछ शब्द वैसे ही प्रयोग होते हैं जैसे

August - अगस्त, Captain कप्तान, Academy - अकादमी, आदि।

2) लिंग वचन उपसर्ग प्रत्यय के आधार पर अंग्रेजी के प्रत्यय 'tion' का अनुवाद करण होगा जैसे:-

Registration - पंजीकरण, Nationalization - राष्ट्रीयकरण आदि।

3) सांस्कृतिक व सामाजिक मूल्यों को ध्यान रखना चाहिए जैसे:-

My father goes to market.
मेरे पिताजी बाजार जाते हैं।

My servent goes to market
मेरा नौकर बाजार जाता है।

4) मुहावरे में सावधानी बरतनी चाहिए जैसे

New born baby नवजात शिशु।
worldwide विश्वव्यापी।
To go to dogs बर्बाद होना।
To add fuel to the fire आग में घी डालना।

Scanned by CamScanner

papergrid
Date: / /

(1)

Land is a gift of God like air, water and daylight. Just as water is not sold and no price is charged for air, so also land is not ment for purchase and sale. It is ment for free transfer with love and affection. The ownership of any individual on land, is a social sin. The only salvation from this sin is giving away his land as gift or donation. It is a religious act in the same way as giving food to the hungry or water to the thirsty. It is not only a sacred religious act, but is essential for the safety of the ~~so~~ donor.

(2)

The newspaper tells us what is the happening all over the world. Within a very few hours of any great event, no matter in which part of the world it occurs, we can read about it the newspapers. If there is a famine in India, or an earthquake in Japan, or a railway accident in Australia, we are told about it in the news papers. The newspapers help to keep the peoples of different countries in close touch with each others. They play an important part in the world of to-day.

Scanned by CamScanner

Date: / /

शतरंज के खिलाड़ी

निर्देशक व लेखक – सत्यजीत रे
वास्तविक कथानक – मुंशी प्रेमचंद / सरप पत्रिका माधुरी
प्रोड्यूसर – सुरेश जिंदल
कलाकार – संजीव कुमार
शबाना आज़मी
अमजद खान
फरीदा जलाल आदि
स्क्रीनप्ले – अमिताभ बच्चन
छायांकन – सुभेन्दु रॉय
बजट – 2,000,000
संगीतकार – सत्यजीत रे (1847–56)

परिचय ~~कहानी~~ – वाजिद अलीशाह के द्वारा लखनऊ के अवधार यह कहानी आधारित है। इसमें बताया गया है कि भारतीय किस प्रकार दुनियाँ से बेखबर थे लखनऊ के नवाब पर अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया लेकिन उनको खबर तक नहीं हुई। इनके अलावा ताकतवर लोग भी मीर और मिर्जा जैसे ~~सा~~ परिस्थितियों से परेशान नहीं होते बल्कि शतरंज खेलते हुए अपनी जान दे देते हैं।

परकथा) पूरा समाज भोग विलास में डूबा है इस कहानी के मुख्य पात्र मिर्जा और मीर, दोनो वाजिद अली के जागीरदार है, बुनियादी जरूरतों की इन्हें चिंता नहीं है दोनों गहरे मित्र हैं, और ~~इनका~~ मुख्य कारोबार है शतंज खेलना। दोनों शादीशुदा है तथा घर सुविधा में कोई कमी नहीं है। एक मिर्जा की पत्नी शिकार हो जाती हैं वे चाहती है कि उनके पति उनके लिए वाजार से दवा लायें लेकिन वे खेल में डूबे रहते हैं इससे तंग आकर शतरंज ~~सहित~~ घर से बाहर फेंक देती है और खेल मीर के घर ~~शुरू~~ शुरू हो जाता है।

मीर की पत्नी भी इस खेल से परेशान रहने लगी थी परंतु दूसरी ओर अंग्रेज वाजिद अली को कैद करने की चाल चल रहे थे।

इसी के चलते एक दिन शाही कामगार मीर का नाम पूछते हुए उनके घर पहुँचता है ताकी वे नवाब के हक के लिए लड़े। इस बात का पता चलते ही मीर और मिर्जा दोनों घर छोड़कर गोमती नदी के किनारे मस्जिद पर अपनी बाजी लगा लेते हैं वहाँ भी आवश्यकता का प्रमाण जमा हो जाता है न शाही कामगार से मुलाकात होगी नाही लड़ना पड़ेगा। दोनों अपनी बाजियों में डूबे रहते हैं तथा अंग्रेज वाजिद अलीशाह को अपना कैद बना लेते हैं तथा अंग्रेज फौज गोमती की ओर बढ़ने लगती हैं। जानते हुए भी वे शतरंज खेलते रहते हैं और उनकी जागीरों से होकर अंग्रेज सेना प्रजा को मारती काटती लखनऊ पर आधिकार करने को बढ़ती रहती है।

मीर और मिर्जा नवाब के जागीरदार थे उनकी रक्षा की जिम्मेदारी उनकी थी लेकिन उनको इसकी थोड़ी भी चिंता नहीं थी। दुर्भाग्य वश इन दोनों ने जान की बाजी लगाई भी तो शतरंज पर। दोनों मित्र शतरंज की बाजी को लेकर उलझ पड़े। बात खानदान और रईसी तक आ गई। गाली-गलौज के साथ दोनों ने अपनी तलवारें खींच ली और एक दूसरे को दे मारी।

काश यह मौत वाजिद अली के पक्ष में और ब्रिटिश सेना के विरोध में होती तो आज भारत का इतिहास कुछ और होता।

पुरस्कार - इस फिल्म को 1977 में नेशनल फिल्म फेयर अवार्ड - बेस्ट फीचर फिल्म के लिये दिया गया।

papergrid

Date: / /

फिल्म समीक्षा

फिल्म - स्लम डॉग ~~मिलेनियर~~ मिलियनेयर

लेखक - विकास स्वरूप का अंग्रेजी उपन्यास Q & A पर आधारित

निर्माता/निर्देशक - डेविड बॉयल

निर्माता - क्रिस्चियन कोलसर्न

संगीतकार - ए. आर. रहमान

कलाकार - देव पटेल

अनिल कपूर

इरफान खान

सौरभ शुक्ला

महेश मांजरेकर आदि

परिचय → इस फिल्म को वार्नर पिक्चर्स ने 50 लाख डालर में, सन 2008 में प्रस्तुत किया गया। यह इस साल की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म मानी जाती है यह मुंबई के झोपड़पट्टी में रहने वाले ~~लोगों पर~~ तीन बच्चों पर आधारित है। इसे 81वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में 10 श्रेणियों में नामांकित किया गया था।

पटकथा → मुंबई के धारावी इलाके के रहने वाले एक ~~अनाथ~~ अनपढ़ युवक जमाल मलिक की कहानी है। जो एक अंग्रेजी रियालिटी शो हू वांटस टू बी ए मिलियनेयर के हिंदी संस्करण कौन बनेगा करोड़पति का प्रतिभागी बनता है।

इसकी कहानी पुलिस इंस्पेक्टर की कड़ी पूछताछ से शुरू होती है जो जमाल मलिक नाम के एक युवा से सच जानना चाहते हैं क्योंकि उसे धोखाधड़ी के मामले में यहाँ लाया गया है। जमाल हर सवाल का जवाब में अपने जीवन की कहानी बताता है। जिससे मालूम होता है कि शो का हर प्रश्न उसकी जिंदगी से जुड़ा है जैसे प्रिय पुस्तक द थ्री मस्कीटीयर्स के आधार पर अपने भाई का नाम सलीम, स्वयं का नाम जमाल और लतिका का मस्कीटीयर्स। ये तीनों कूड़े के ढेर पर ही बड़े होते हैं। मेमन उनको वहाँ से ले जाता है सलीम को ... में

Date: / /

शामिल थे जमाल को फंसाना चाहता है पर दोनों भागने से सफल होजाते है परंतु लतिका उसके चंगुल में फंस जाती। जिसे मदन वैश्यावृत्ति के लिये तैयार करना चाहता है

स्नेह-मोहभंग

सारांश

~~[struck out]~~

यह एक कहानी में तीन वर्ष बाद शुरू होता है। अब कमला छात्रावास से वापस चाचा के घर आ गयी है और उसने मंत्रवत जीना सीख लिया है अपनी इच्छाओं और सपनों से समझौता करके मन ही मन घुटने लगी है। उसके अंदर सारी यादें अब धुंधली होने लगी हैं हेनदीदी से भी जो आशा थी वह भी जाती रही। रामू के प्रति भी अब मोह कम हो रहा था क्योंकि मानसिक अवसाद उसके शरीर को खाने लगा था वैद्य के अनुसार उसे क्षय रोग हो गया था। अचानक एक दिन उसके पिता आते हैं और उसे शहर से वापस ले जाते हैं। बेटी की हालत से परेशान वैद्य और घरवालों की सलाह पर उसके विवाह का संबंध करते हैं क्योंकि वैद्य का मानना है कि आरंभिक अवस्था में क्षय रोग विवाह हो जाने से ठीक हो जायेगा। उसे हर दिन बुखार आता है। कमला की विवाह तैयारियाँ और रस्में आरंभ होती हैं लेकिन कमला हर दिन जीवन से दूर जाने लगती है शादी से पहले वह हेनदीदी, रामू और सीता को पत्र लिखती है। उत्तर में हेनदीदी उससे मिलने आती उसकी दशा देख दुखी होती है और उसके लिये खुद को जिम्मेदार मानती है तथा निराश लौट जाती है।

सीता उसके लिए मोती का हार भेजती है तथा रामू उसके पिता के कहने से शादी में आता है। विवाह संपन्न होने के बाद कमला की विदाई होती है लेकिन रेलगाड़ी छूटने देर से होने के कारण उसे समय मिलता है रामू से अपने मनोभाव प्रकट करने का जो शायद अंतिम बार होगा। वह कहती है कि वह उसके साथ जीवन बिता देती परंतु जर्जर शरीर साथ नहीं देगा। इसलिए रामू को खुश रहना होगा। समाज बदलना होगा। रामू भी उसे दिल खोलकर बताता है कि उसका स्थान भी बहुत ऊँचा है और इस विवाह के बाद उसे भी

papergrid

Date: / /

जिंदगी का मोह नहीं है। लाला बालेदीन को कहानी के माध्यम से वह बताता है कि वह भी आगे का जीवन मंदिर की सेवा और कमला से प्रीत निभाकर बिताता देगा। स्टेशन पर गूंगा मालीकमला से मिलने आता है फूल के गहने देकर हेमडीडी का एक पत्र भी देता है।

इस पत्र में हेमडीडी कमला को जीवन की अंतिम सीख देती है कि अतीत की केंचुल उतार कर आगे बढ़ना ही धर्म है। जीवन के इस नये मोड़ को स्वीकारकर, नये अर्थ नये संदर्भ में ग्रहण कर तुझे नयी राह मिलेगी। शक्तिदान का स्वीकार भी सार्थक है, और दुर्बल का विद्रोह भी निरर्थक।
प्यार शक्ति है हमें अर्थ देता है, सार्थक बनाता है पाथेय है उसे लेकर चल।
तभी रेल का सायन हो जाता है और कमला का मायका और यादें सभी पीछे छूट जाता है। रामू भी गाड़ी में पहली मुलाकात पति के साथ होती है। कमला हेमडीडी की अंतिम सीख को जीवन मानकर स्वीकार कर लेती है ~~सही~~
~~अब~~ रामू और कमला की तस्वीरों के रंग उड़ चुके हैं तथा उन तस्वीरों के चौखटों में नये रंग भरने का समय आ गया है ~~जो~~ जो कमला कहीं पति के रूप में देखती है रामू शायद अभी भी भ्रमित हो है।

—— X ——

Scanned by CamScanner

papergrid

Date: / /

1) उड़े हुए रंग उपन्यास कब आरंभ होता है?
तीन साल बाद
2) छोटा बाग में नौकरानी सामने कमला किससे लिपट कर रोई है? हेम दीदी
3) कमला को कौनसा सूरज अच्छा लगता है? डूबता हुआ
4) कमला के पिता किस रंग के कपड़े में वापस लौटे थे? गेरुए
5) हेमदीदी के अनुसार कौनसी दो तत्व एक साथ नहीं रहते
सुख और आत्मविश्वास
6) कमला गांव के बच्चों के लिये क्या करना चाहती थी?
स्कूल खोलना चाहती थी?
7) किसके अनुसार स्कूल खोलना गंदी बात थी? चाचा
8) कमला का अस्तित्व किसके समान था? माँ
9) गांव वाले किसे पवित्र मानते थे? कमला की मां
10) कमला की मां ने बाड़ा बनवा उसमें क्या रखा था?
अंग्रेजी फूलों के गमले
11) कमला की मां कैसे कपड़े पहनती थी? सफेद
12) कमला को कौनसा रोग है? क्षय
13) दैयाह के अनुसार कमला कैसे ठीक हो सकती है? विवाह से
14) रामू और हेमदीदी के अलावा कमला ने किसे पत्र लिखे?
सीता
15) सीता ने कमला को क्या उपहार में दिया? मोती का हार
16) कमला की इच्छा कि जिम्मेदारी किसने ली? हेमदीदी
17) पत्र में कमला ने सीता से क्या मांगा था? सात उपन्यास
18) कमला के लिये विवाह क्या था? जुवा के समान
19) सीता अखबारों में किसकी रचनाएं पढ़ती है? रामू की
20) रामू ने सीता का किसकी कहानी सुनाई? लाला कालेदीन
21) लाला कब अदृश्य हो गया? पूर्णिमा के दिन
22) लाला को किसने पाला था? बाबा ने
23) बाबा की बेटी से किस प्यार हो गया? कालेदीन को
24) जीवन भर कालेदीन कौन सा रिश्ता निभाया? प्रेम का
25) मंदिर की सेवा लाला किसे सौंप कर गये है? रामू

Scanned by CamScanner